तू छम छम करती आजा माता | By Mukesh Bagda |

तू छम छम करती आजा माता
मैंने आसन दियो लगाए...2
आसन दियो लगाए कि मनवा तुझको रहा बुलाए
तू छम छम करती आजा माता.....

फागुन बीते चैत महीना जब-जब मैया आ जावे
ओ नवरात्र में जाप करूं मैंने आसन दियो लगाए
आसन दियो लगाए कि मनवा तुझको रहा बुलाए
तू छम छम करती आजा माता.....

बाट निहारु राहों में मैं बैठा नयन बिछाए
ओ पलकन से मैं राह में तेरी झाड़ू रहा लगाए
आसन दियो लगाए कि मनवा तुझको रहा बुलाए
तू छम छम करती आजा माता.....

तेरी लाल चुनरिया मैया इगूर बेहंदी लाया
ओ पैरों की पायलिया लाया कब से तुझको रहा बुलाए
आसन दियो लगाए कि मनवा तुझको रहा बुलाए
तू छम छम करती आजा माता.....

पूर्णा वाली एक अरजया सतविंदर की सुन लो
मन से मेरे तेरी मूरत कभी भी उतरना पाए
आसन दियो लगाए कि मनवा तुझको रहा बुलाए
तू छम छम करती आजा माता.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%9b%e0%a4%ae-%e0%a4%9b%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/